पश्चिमी हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, जम्मू में मनाये गए हिंदी सप्ताह की रिपोर्ट–एक नजर में

डॉ० सोबन सिंह रावत
राजसं. क्षेत्रीय केन्द्र, जम्मू

प्रति वर्ष 14 सितम्बर को मनाये जाने वाले हिंदी दिवस के उपलक्ष में पश्चिमी हिमालय क्षेत्रीय केंद्र–जम्मू में दिनांक 12 सितम्बर से 18 सितम्बर 2016 के दौरान हिंदी सप्ताह मनाया गया। हिंदी सप्ताह मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु केंद्र के कार्मिको एवं आम जनमानस में जागरूकता पैदा करना था। इस अवसर पर केंद्र में उक्त सप्ताह के दौरान स्कूली बच्चों के लिए चित्रकारी, भाषण, हिंदी निबंध आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। आयोजित किये गए कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत है:–

हिंदी सप्ताह (दिनाँक 12.09.16 से 18.09.16) का दिनवार कार्यक्रम

दिनाँक	कार्यक्रम	आयोजन समिति
12–09–16	उद्घाटन	डॉ पी जी जोस डॉ एस एस रावत
13–09–16	निबंध प्रतियोगिता	डॉ आर वी काले डॉ एस एस रावत श्री सूरज कोतवाल
14–09–16	चित्रकारी प्रतियोगिता	डॉ पी जी जोस, श्री पंकज पराशर श्री प्रवीण
15–09–16	भाषण प्रतियोगिता	डॉ आर वी काले श्री पंकज पराशर
16–09––16	स्वच्छता अभियान	डॉ पी जी जोस श्री कुलदीप श्री प्रेम
17–09–16	हिंदी जागरूकता कार्यक्रम	डॉ एस एस रावत श्री प्रवीण
18–09–16	समापन समारोह	डॉ पी जी जोस डॉ एस एस रावत

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन केंद्र के वैज्ञानिक प्रभारी डॉ० पी० जी० जोस द्वारा किया गया। डॉ० जोस ने कहा कि प्रत्येक देश की पहचान उसकी विशिष्ट बोली से होती है और भारत देश की पहचान सम्पूर्ण देश में बोली जाने वाली हिंदी भाषा से है। अतः हमें विभागीय कार्यों में इसके अधिकाधिक प्रयोग पर जोर देना चाहिए ताकि आम जनमानस को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी सरल और आसान हिंदी भाषा में मिल सके। कार्यक्रम का संचालन करते हुए केंद्र के राजभाषा अधिकारी डॉ० सोबन सिंह रावत द्वारा बताया गया कि संविधान द्वारा हिंदी को 14 सितम्बर 1949 से राजभाषा का दर्जा दिया गया है। तथा इसके परिपालन हेतु हर वर्ष इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है ताकि विभागीय कार्यो में इसके अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा दिया जा सके। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ० आर० वी० काले ने कहा

कि हिंदी हमारी मूल पहचान है और हमें इसे संजोकर रखना है ताकि हम अपनी धनी विरासत को आने वाली पीढ़ियों को अच्छी दिशा दे सकें।

केंद्र में विभिन्न स्कूली बच्चों के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध का शीर्षक **"जल उपयोग एवं प्रबंधन में हमारी भागेदारी"** था। प्रतियोगिता में लगभग 20 बच्चों ने प्रतिभाग किया। सभी बच्चों ने जल के परिप्रेक्ष्य में बहुत ही रोचक बातें लिखी तथा इसके संरक्षण पर जोर दिया। एक प्रतिभागी ने इस प्रकार अपने विचार रखे।

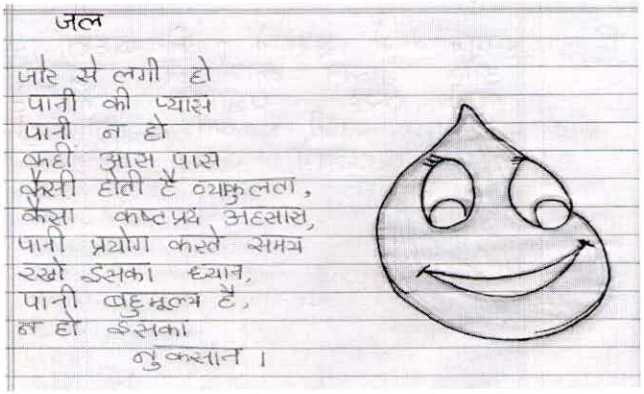
जल

जोर से लगी हो
पानी की प्यास
पानी न हो
कहीं आस पास
कैसी होती है व्याकुलता,
कैसा कष्टप्रद अहसास,
पानी प्रयोग करते समय
रखो इसका ध्यान,
पानी बहुमूल्य है,
न हो इसका
नुकसान।

सम्पूर्ण प्रतियोगिता को सीनियर (कक्षा 6 और इससे ऊपर) और जूनियर (कक्षा 5 तक), दो वर्गों में विभक्त किया गया था। जूनियर वर्ग में तानिया मोत्तान, केंद्रीय विद्यालय मीरा साहिब और यशवर्धन, रिच हार्वेस्ट स्कूल, शास्त्री नगर ने प्रथम, दक्ष चौधरी, आर्मी पब्लिक स्कूल, कालूचक ने द्वितीय एवं तनीषा मोत्तान, गणेश विद्या केंद्र, शेरगढ़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ चार प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया। निबंध प्रतियोगिता में डॉ० आर वी काले, डॉ० सोबन सिंह रावत एवं श्री सूरज कोतवाल के द्वारा जज की भूमिका निभाई गयी।

केंद्र में चित्रकारी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों को "प्रकृति एवं जल" विषय पर अपने–अपने विचार रंगों के माध्यम से ड्राइंग शीट पर उकेरने के लिए कहा गया। सभी प्रतिभागियों ने प्राकृतिक सुंदरता जैसे पहाड़, नदियां, झील, जंगल, बादल, आसमान

इत्यादि को अपनी सोच के रूप में ड्राइंग शीट पर सुन्दर रूप में उकेरने का सुन्दर प्रयास किया। नन्हें–मुन्हें बालकों का अपनी प्रकृति के प्रति यह सुन्दरतम सोच वास्तव में काबिलेतारीफ थी।

इस प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में एस्टर, संत मैरी प्रेसेंटेशन कॉनवेन्ट स्कूल जम्मू ने प्रथम, यमुना कोतवाल, शिक्षा निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जम्मू ने द्वितीय एवं सरस्वती कोतवाल, शिक्षा निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जम्मू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसमें दो प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। जूनियर वर्ग में यशवर्धन, रिच हार्वेस्ट स्कूल, शास्त्री नगर ने प्रथम, शाम्भवी, ने द्वितीय एवं तनीषा मोत्तान, गणेश विद्या केंद्र, शेरगढ़ एवं माणिक कुमार, ब्लोसम हाई स्कूल, आर एस पुरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में डॉ० पी० जी० जोस, श्री पंकज पराशर एवं श्री प्रवीण द्वारा जज की भूमिका का निर्वहन किया गया।

हिंदी सप्ताह के दौरान भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता का शीर्षक था "बदलते परिवेश में हिंदी के उपयोग की आवश्यकता" यह प्रतियोगिता केवल सीनियर वर्ग के स्कूली बच्चो के लिए आयोजित की गयी। जिसमें एस्टर, संत मैरी प्रेसेंटेशन कॉनवेन्ट स्कूल जम्मू ने प्रथम, सरस्वती कोतवाल, शिक्षा निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जम्मू ने द्वितीय एवं जोसफ पोट्टेकल, एयर फॉर्स स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

हिंदी सप्ताह के दौरान भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत केंद्र के कार्यालय के आस–पास सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान केंद्र के पीछे स्थित झाड़ियों को काटकर एक फुलवारी विकसित की गयी। साथ ही केंद्र के आस–पास अवस्थित कार्यालयों और घरों में जाकर लोगों को हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया। हिंदी सप्ताह के अवसर पर सभी प्रतिभागियों एवं केंद्र के सभी कर्मचारियों को जलपान कराया गया।

कार्यक्रम के अंत में केंद्र के राजभाषा अधिकारी डॉ० सोबन सिंह रावत ने राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के निदेशक इं० आर० डी० सिंह, केंद्र के समन्वयक डॉ० एस० के० जैन एवं केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ० एम० के० गोयल द्वारा कार्यक्रम को सम्पन्न करने हेतु दिए गए मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। केंद्र के वैज्ञानिक प्रभारी डॉ० पी० जी० जोस ने केंद्र के समस्त कार्मिकों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए इस विश्वास के साथ कार्यक्रम का समापन किया कि कार्यालय उपयोग में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग किया जायेगा और सप्ताह भर चले इस कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

स्वच्छता अभियान